हदीस और सुन्नत के लिए शुरुआती मार्गदर्शक

रेटिंग:

विवरण: ????? ?? ????? ?? ??? ????? ??? ?????? ???? ?? ???, ??????? ?? ?????? ?? ????, ???? ??????? ?? ?????? ?? ?????? ???? ???? ??????? ?????? ??? ????? ??? ?? ?? ??? ?? ???? ???? ?????? ???? ?? ??? ?????? ??????? (?? ?? ?????? ?? ???????? ?? ??? ??) ?? ????????? ?????????? ???? ?? ?????? ?? ?? ????????? ?????? ???

श्रेणी: पाठ › पैगंबर मुहम्मद › हदीस और सुन्नत

द्वारा: NewMuslims.com

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य

- इस्लाम को समझने और इसका पालन करने में सुन्नत के महत्व को जानना।
- सुन्नत और हदीस का अर्थ जानना।
- सुन्नत के दिव्य संरक्षण की सराहना करना।
- हदीस की सबसे महत्वपूर्ण किताबों के नाम जानना।

अरबी शब्द

- हिक्मा- बुद्धि।

नया मुस्लिम यह सोच सकता है कि क़ुरआन आस्तिक के लिए एक पर्याप्त मार्गदर्शक है और इसकी शिक्षाओं को लागू करने और इसे व्यवहार में लाने के लिए सिर्फ व्यक्तिगत अध्ययन और व्याख्या की आवश्यकता है। हालांकि, ऐसा सोचने से व्यक्ति उसी प्रकार की त्रुटियों की ओर जा सकता है जैसा बाइबल के गैर-भविष्यद्वक्ता व्याख्याकार अपनी कलीसियाओं को प्रचारित करते थे। क़ुरआन के संदेश की सही मायने में सराहना करने के लिए, पैगंबर के जीवन, उनके कार्यों और शब्दों का अध्ययन करना होगा जो इसे हमारे पास लाए और इसका उदाहरण दिया। इसलिए मुसलमानों ने पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) के कार्यों और बातों का रिकॉर्ड रखा, जिसे 'हदीस' कहा जाता है और उन साधनों की आलोचनात्मक परीक्षा की स्थापना की जिसके द्वारा वे

हमारे पास आए हैं। अगर हदीस मजबूत पाया जाता है, तो इसे सुन्नत माना जाता है।

सुन्नत का मतलब

सुन्नत सामान्य तौर पर पैगंबर मुहम्मद की शिक्षाओं और उनके जीवन के तरीके को संदर्भित करता है। अधिक विशेष रूप से इसका मतलब है कि क़ुरआन को छोड़कर पैगंबर मुहम्मद से प्रामाणिक बातें: उनके बयान, कार्य, और मौन अनुमोदन या अनुमति (उनके साथियों के बयानों या कार्यों की)।

हदीस का मतलब

हदीस पैगंबर मुहम्मद के बयानों, कार्यों, मौन अनुमोदन, शिष्टाचार या शारीरिक विशेषताओं का कोई भी विवरण है। हदीस में दो भाग होते हैं:

(ए) वर्णनकर्ता की श्रृंखला।

(बी) पाठ

पैगंबर की बातों या कार्यों का एक सच्चा विवरण माने जाने के लिए, पाठ और वर्णनकर्तांओं की श्रृंखला दोनों को सख्त शर्तों को पूरा करना होगा। हम उनके बारे में आगे के स्तरों में जानेंगे।

???? ?? ??????

सुन्नत उन विवरणों में होती है जो पैगंबर, यानी हदीस साहित्य से हमारे पास आई हैं। हम हदीस की किताबों में पैगंबर की सुन्नत पाते हैं । पैगंबर मुहम्मद के बयान, कार्य, मौन अनुमोदन, भौतिक विवरण और शिष्टाचार सभी हदीस की किताबों में निहित हैं। उनके जीवन की महत्वपूर्ण बातों में से कुछ भी गायब नहीं है। एक मुसलमान जान सकता है कि उन्होंने नमाज़ कैसे पढ़ी, उपवास कैसे किया और घर पर और अपने साथियों के साथ कैसे रहे। किसी अन्य ऐतिहासिक व्यक्ति का ऐसा पूर्ण और सटीक विवरण उपलब्ध नहीं है।

सुन्नत का महत्व

क़ुरआन हमें बताता है कि सुन्नत कितनी महत्वपूर्ण है:

(1) पैगंबर का आदेश मानना अल्लाह की आज्ञा का पालन करना है।

“जिसने दूत की आज्ञा का अनुपालन किया, (वास्तव में) उसने अल्लाह की आज्ञा का पालन किया तथा जिसने मुंह फेर लिया, तो (ऐ पैगंबर!) हमने आपको उनका रक्षक बनाकर नहीं भेजा है।” (क़ुरआन 4:80)

(2) पैगंबर की बात मानने और उनकी अवज्ञा के खिलाफ चेतावनी देने की ईश्वरीय आज्ञा।

“तथा अल्लाह और दूत के आज्ञाकारी रहो, ताकि तुमपर दया की जाये।” (क़ुरआन 3:132)

“और जो अल्लाह तथा उसके दूत का आज्ञाकारी रहेगा, तो वह उसे ऐसे स्वर्गों में प्रवेश देगा, जिनमें नहरें प्रवाहित होंगी। उनमें वे सदावासी होंगे तथा यही बड़ी सफलता है।” (क़ुरआन 4:13)

“और जो अवज्ञा करेगा अल्लाह तथा उसके दूत की, तो वास्तव में उसी के लिए नरक की अग्नि है, जिसमें वह नित्य सदावासी होगा।” (क़ुरआन 72:23)

“हे लोगो, जो विश्वास करते हैं! आज्ञा मानो अल्लाह की तथा आज्ञा मानो दूत की तथा व्यर्थ न करो अपने कर्मों को।” (क़ुरआन 47:33)

(3) पैगंबर के फैसलों को स्वीकार करना आस्था का हिस्सा है।

“तो आपके पालनहार की शपथ! वे कभी विश्वासी नहीं हो सकते, जब तक अपने आपस के विवाद में आपको निर्णायक न बनायें, फिर आप जो निर्णय कर दें, उससे अपने दिलों में तनिक भी संकीर्णता (तंगी) का अनुभव न करें और पूर्णता स्वीकार कर लें।” (क़ुरआन 4:65)

(4) दूत का अनुसरण करने से ईश्वरीय प्रेम और क्षमा मिलती है।

“(ऐ मुहम्मद!) कह दोः यदि तुम अल्लाह से प्रेम करते हो, तो मेरा अनुसरण करो, अल्लाह तुमसे प्रेम करेगा तथा तुम्हारे पाप क्षमा कर देगा और अल्लाह अति क्षमाशील, दयावान् है।’” (क़ुरआन 3:31)

(5) क़ुरआन सुन्नत हिक्मा या 'ज्ञान' कहता है। सुन्नत को भी क़ुरआन की तरह अल्लाह ने उतारा था।

अल्लाह ने क़ुरआन और सुन्नत को उतारा:

“अल्लाह ने आप पर पुस्तक (क़ुरआन) तथा हिक्मत (सुन्नत) उतारी है” (क़ुरआन 4:113)

अल्लाह इसे अपना एहसान मानता है कि उसने क़ुरआन और सुन्नत को उतारा:

“अपने ऊपर अल्लाह के उपकार तथा पुस्तक (क़ुरआन) एवं हिक्मत (सुन्नत) को याद करो” (क़ुरआन 2:231)

पैगंबर मुहम्मद ने क़ुरआन और सुन्नत की शिक्षा दी:

“...तथा उन्हें पुस्तक (क़ुरआन) और हिक्मत (सुन्नत) की शिक्षा देता है...” (क़ुरआन 3:164)

सुन्नत का ईश्वरीय संरक्षण

क़ुरआन में अल्लाह कहता है:

“वास्तव में, हमने ही ये शिक्षा (क़ुरआन) उतारी है और हम ही इसके रक्षक हैं।” (क़ुरआन 15:9)

इस छंद में 'शिक्षा' का मतलब वह सब कुछ है जो अल्लाह ने प्रकट किया, क़ुरआन और सुन्नत। अल्लाह क़ुरआन और सुन्नत की रक्षा करने का वादा करता है। क़ुरआन अल्लाह का अंतिम रहस्योद्घाटन है और पैगंबर मुहम्मद अल्लाह के अंतिम पैगंबर हैं। जैसा कि हम ऊपर पढ़ चुके हैं, अल्लाह मुसलमानों को क़ुरआन की सुन्नत का पालन करने का आदेश देता है। यदि सुन्नत को संरक्षित नहीं किया जाता, तो अल्लाह हमें कुछ असंभव करने का आदेश नहीं देता, अर्थात ऐसी सुन्नत का पालन करना जो या तो संरक्षित नहीं किया गया है या मौजूद नहीं है! चूंकि इस तरह की उम्मीद ईश्वरीय न्याय के विपरीत है, अल्लाह ने सुन्नत को संरक्षित किया होगा। जैसा कि हम देखते हैं, अल्लाह ने इंसानों के माध्यम से विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया जिसके द्वारा अल्लाह ने सुन्नत को संरक्षित किया।

हदीस की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तकें

एक शुरुआत करने वाले को हदीस की उन सबसे महत्वपूर्ण किताबों के बारे में पता होना चाहिए जिसमें पैगंबर की सुन्नत शामिल है।

(1) ***???? ??-??????***

यह किताब इमाम अल-बुखारी (810 - 870 सीई) द्वारा लिखी गई थी। इसे क़ुरआन के बाद सबसे प्रामाणिक और विश्विसनीय किताब माना जाता है। सहीह अल-बुखारी में 2602 बार-बार न दोहराई गई हदीस है। इसका अनुवाद डॉ. मुहसिन खान द्वारा अंग्रेजी में किया गया है और यह पहली बार 1976 में प्रकाशित हुआ था। हमारे पाठों में सहीह अल-बुखारी की हदीस को फुटनोट में 'सहीह अल-बुखारी' के रूप में संदर्भित किया गया है। अनुवाद यहां उपलब्ध है।

(2) सहीह मुस्लिम

सहीह मुस्लिम इमाम मुस्लिम (817 - 875 सीई) द्वारा लिखी गई थी। इसमें 3,033 हदीस हैं और सहीह अल-बुखारी के बाद इसे सबसे सटीक किताब माना जाता है। अब्दुल हमीद सिद्दीकी द्वारा इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया गया और 1976 में कुछ संक्षिप्त, लेकिन उपयोगी टिप्पणी के साथ प्रकाशित किया गया। सहीह मुस्लिम की हदीस को हमारे पाठों में फुटनोट्स में 'मुस्लिम' के रूप में संदर्भित किया गया है। अनुवाद यहां उपलब्ध है, लेकिन बिना किसी टिप्पणी के।

(3) रियाद उस-सलीहीन (गार्डन ऑफ द राइटियस)

यह इमाम नवावी (1233 - 1277 सीई) की एक किताब है। यह विषय के अनुसार व्यवस्थित क़ुरआन के छंदो और हदीस का संग्रह है। इसमें लगभग 1900 प्रामाणिक हदीस है। तीनों पुस्तकों में से, 'गार्डन ऑफ द राइटियस' शुरुआत करने के लिए सबसे उपयुक्त है। कई अनुवाद मौजूद हैं, लेकिन बिना किसी टिप्पणी के। शायद यह शुरुआत करने वाले लोगों के लिए सबसे उपयोगी संस्करण है, क्योंकि यह कुछ टिप्पणियों वाला एकमात्र संस्करण है, बेचने के लिए यहां उपलब्ध है। पुस्तक का ऑनलाइन अनुवाद (टिप्पणी के बिना) यहां पढ़ा जा सकता है।

अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं जिनमें कई प्रामाणिक हदीस हैं। सबसे आम हैं अबू दाऊद, अत-तिर्मिज़ी, अन-नसाई, और इब्न माजा, और अल-बुखारी और मुस्लिम के साथ इसे अल-कुतुब अल-सिताह या "द सिक्स बुक्स" कहा जाता है। इन सभी का विस्तार से वर्णन करना हदीस साहित्य के इस संक्षिप्त पाठ के दायरे से बाहर है।

हदीस पढ़ने पर एक आखिरी टिप्पणी यह है कि ऐसी कोई किताब नहीं है जिसमें सभी हदीस शामिल हों, बल्कि हदीस का उल्लेख विभिन्न किताबों में किया गया है। यह महत्वपूर्ण है कि हदीस पढ़ते समय कोई निर्णय न करें, क्योंकि बहुत अधिक संभावना है कि किसी अन्य हदीस में इसे स्पष्ट रूप से बताया गया हो। हालांकि, हदीस की व्याख्या पढ़ने से पाठक को हदीस में उल्लिखित अवधारणाओं की बेहतर समझ मिलेगी, क्योंकि इन स्पष्टीकरणों को लिखने वाले विद्वान कई अन्य हदीसों को समझ के इस पर प्रकाश डालते हैं। क़ुरआन की तरह विशिष्ट हदीस की व्याख्या करना धर्म के जानकारों तक ही सीमित होना चाहिए। अन्य संग्रह जैसे कि ऊपर वर्णित रियाद उस-सलीहीन, जो हदीस की अन्य पुस्तकों के विपरीत सामान्य दर्शकों के लिए लिखी

गई थी और इसे सभी मुसलमानों के लिए समझना बहुत आसान है। शुरूआत करने के लिए एक और अच्छी किताब है अल-अरब'ऊनअल-नवाविया या 'अल-नवावी द्वारा संकलित चालीस हदीस', इसमें इस्लाम के कुछ सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी हदीस का उल्लेख है। एक गहन स्पष्टीकरण यहां भी मिल सकता है। पुस्तक का ऑनलाइन अनुवाद (टिप्पणी के बिना) यहां पढ़ा जा सकता है।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/index.php/hi/articles/21

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।